

संजीत कुमार कालिंदी का अनुकरणीय व्यवहार

संजीत कुमार कालिंदी, जो हमारी कंपनी में एक टैक्सी ड्राइवर है, ने उच्चस्तरीय आत्म-सम्मान और नैतिक मूल्यों को प्रदर्शित किया है। हाल ही में, कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी को सेवा देने के क्रम में, जो बाहर से आये हुए थे, संजीत को एहसास हुआ कि उस अधिकारी ने अपना महंगा मोबाइल फोन उसकी कार में छोड़ दिया है। जैसे की संजीत ने हैंडसेट देखा, उसकी जिम्मेदारी की भावना ने उसे निर्देश दिया कि वह उस हैंडसेट के वास्तविक हकदार की तलाश करके उसे लौटाने की उम्मीद के साथ, तुरंत कार्यालय परिसर में जाए, जहाँ उसने उस अधिकारी को छोड़ा था। हालांकि, वह देर से पहुँचे क्योंकि वह अधिकारी गलियारे में दिखाई नहीं दे रहे थे। निडर संजीत ने असाधारण व्यावहारिक ज्ञान का परिचय दिया और ट्रैवल डिपार्टमेंट में जाकर मोबाइल फोन मैनेजर को सौंप दिया।

जब गति @ टीआरएफ ने संजीत को उसके अनुकरणीय व्यवहार के लिए शाबाश पुरस्कार जीतने के लिए बधाई दी और उनसे पूछा कि "किस चीज ने आपको प्रेरित किया?" उनका तत्काल जवाब था कि "मेरे माता-पिता ने मुझे अच्छे नैतिक मूल्य और शिष्टाचार सिखाये हैं। मुझे उन पर गर्व है और मैं हमेशा उनके द्वारा दिए गए अच्छे संस्कार को बनाए रखूंगा।"

संजीत मैट्रिक पास है और वह अपनी कमाई का योगदान अपने परिवार के पालन पोषण में करते हैं, जिसमें उसके माता-पिता, एक भाई और तीन अविवाहित बहनें शामिल हैं। संजीत का दृढ़ विश्वास है कि साफ-सफाई भगवान की भक्ति के समान है और इसलिए जब भी उसे खाली समय मिलता है उसका उपयोग वह अपनी कार को साफ रखने में करता है।

